

I/177048/2024

The Hindu - 3rd July -2024

Chembarambakkam lake restoration to begin soon

The waterbody bore the brunt of Cyclone Michaung in December last year. The Water Resources Department is preparing to carry out works to strengthen the flood-damaged infrastructure

K. Lakshmi

CHENNAI

The Water Resources Department (WRD) will soon start the restoration of the infrastructure at Chembarambakkam reservoir that was affected during Cyclone Michaung last year. The work will start in about a month.

The waterbody, one of the major sources of drinking water for Chennai, bore the brunt of the December floods. The Department is preparations to carry out improvement works to strengthen the flood-damaged infrastructure.

Spread across an area of 25.51 sq.km, the reservoir has a storage of 1,522 million cubic feet (mcft) against its capacity of 3,645 mcft.

Officials of the WRD said the portions of stone pitching, which is used for slope protection in the bund (close to the shutters), were damaged during the



Major source: Spread across an area of 25.51 sq.km, the reservoir has a storage of 1,522 million cubic feet against its capacity of 3,645 mcft. FILE PHOTO

northeast monsoon last year.

If left unattended, it would further affect the bund and the storage capacity of the reservoir.

In an effort for a permanent solution, the Department will replace the stone pitching in the bund slope with concrete for a total stretch of 500 metre on both sides of the shutters.

Besides improvements to the parapet wall along the top layer of the bund, repair works of the flood-

gates would also be completed before the onset of the northeast monsoon, said officials.

Inlet improvements

Two inlet channels bringing flood water from other waterways and waterbodies into the reservoir would be improved as part of the ₹22.95 crore project.

The 7.1 km-long New Bangaru channel, which branches out from Cooum river, and the channel that brings flood water from

Sriperumbudur tank and other upstream areas would also be desilted and improved, officials said.

Besides repairing the reservoir's two weirs that suffered damages during last monsoon, the WRD also plans to construct flood protection wall for a total stretch of 400 metres in the surplus course.

This would help alleviate the impact of flooding in the neighbouring villages when the reservoir's floodgates are opened.

The Pioneer - 3rd July -2024

मानसून अपने सामान्य समय से छह दिन पहले ही पूरे भारत में पहुंचा

भाषा। नई दिल्ली

जून के मध्य में धीमी प्रगति के बावजूद दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य तिथि से छह दिन पहले ही पूरे देश में पहुंच गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने एक बयान में कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून मंगलवार को राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के शेष भागों में और आगे बढ़ गया। इस तरह इसने दो जुलाई तक ही पूरे देश को कवर कर लिया, जबकि यह सामान्य रूप से आठ जुलाई तक पूरे देश में पहुंचता है। मानसून केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 30 मई को पहुंचा था, जो सामान्य से दो से छह दिन पहले है। आईएमडी ने बताया कि मानसून अपने सामान्य समय से छह दिन पहले ही पूरे भारत में पहुंच गया।



यह महाराष्ट्र तक सामान्य रूप से आगे बढ़ा, लेकिन फिर इसकी गति धीमी पड़ गई जिसके कारण पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में बारिश का इंतजार बढ़ गया तथा उत्तर-पश्चिम भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप और अधिक बढ़ गया। देश में 11 जून से 27 जून तक 16 दिन सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई, जिसके कारण जून में कुल

मिलाकर सामान्य से कम वर्षा हुई। जून महीने में 147.2 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा हुई, जबकि इस महीने में सामान्य रूप से 165.3 मिमी वर्षा होती है, जो 2001 के बाद से सातवीं सबसे कम वर्षा है। देश में चार महीने के मानसून के दौरान होने वाली कुल वर्षा 87 सेंटीमीटर में से 15 प्रतिशत बारिश जून महीने में होती है। आमतौर पर, दक्षिण-पश्चिम मानसून एक जून तक केरल में प्रवेश कर जाता है और

आठ जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। मानसून 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से लौटने लगता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है। आईएमडी के आंकड़ों से पता चलता है कि यह लगातार तीसरा साल है जब मानसून ने तय समय से पहले पूरे देश को कवर किया है। 2022 और 2021 में मानसून ने दो जुलाई को पूरे देश को कवर कर लिया था। वहीं, 2011 से अब तक मानसून सात बार सामान्य तिथि पिछले साल मानसून केरल में आठ जून को पहुंचा था और दो जुलाई को पूरे देश में पहुंच गया था। इस तरह मानसून ने तय समय से छह दिन पहले पूरे देश को कवर कर लिया। पश्चिमी राजस्थान में आठ दिन की देरी से मानसून की वापसी 25 सितंबर को शुरू हुई। आईएमडी ने मंगलवार को कहा कि अगले चार से पांच दिन के दौरान उत्तर-

पश्चिम, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में मानसून सक्रिय रहेगा। दो-छह जुलाई के दौरान बिहार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। पांच-छह जुलाई को अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। आईएमडी ने कहा कि इस अवधि के दौरान गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात के कुछ हिस्सों और तटीय कर्नाटक में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने सोमवार को कहा था कि जुलाई में भारत में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है तथा भारी वर्षा के कारण पश्चिमी हिमालय क्षेत्रों और देश के मध्य भाग में नदी घाटियों में बाढ़ आने की आशंका है।